

मुख्यमंत्री के निर्देश : विधायक अतिवृष्टि क्षेत्र का सघन निरीक्षण करें

प्रभारी मंत्रियों व सचिवों को भी दो दिन जिलों में राहत व बचाव कार्य की निगरानी के निर्देश दिए

जयपुर, 4 सितंबर राजस्थान में अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न हालात को देखते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों को 5, 6 एवं 7 सितंबर को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्रियों और सचिवों को भी निर्देशित किया है कि वे दो दिन तक जिलों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करें तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराएं। भारी बारिश से बनी स्थिति को लेकर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष 1 जून से 1 सितंबर तक प्रदेश में औसत से 56 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। ऐसे में सभी विधायक अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर राहत कार्यों को गति दें।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विधायक और प्रभारी मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में जिला कलेक्टर व अन्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें

करें और राहत कार्यों की प्रगति की जानकारी लें। साथ ही, प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों का मनोबल बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों से समय रहते

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक नियमित रूप से मीडिया व आम जन को राहत कार्यों की जानकारी दें ताकि किसी प्रकार की अफवाह नहीं फैले।**

महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित अस्थायी आश्रय की व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक नियमित रूप से मीडिया और आमजन को राहत कार्यों की जानकारी दें, ताकि किसी प्रकार की अफवाह न फैले। सोशल मीडिया पर भी हेल्पलाइन नंबर और राहत कार्यों की जानकारी साझा की जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा टीमों की तैनाती, पशुओं के टीकाकरण, पेयजल स्रोतों के क्लोरीनेशन, शिविरों में स्वच्छता की निगरानी और लोगों को गंदे पानी से दूर रहने व साफ भोजन-पानी के लिए जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए कहा, “उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में हमने अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। पंजाब की तस्वीरों में तो पूरे के पूरे गांव और खेत उजड़ चुके हैं। विकास जरूरी है, लेकिन संतुलन भी जरूरी है।”

“प्रकृति के साथ छेड़छाड़ अब पलटकर सामने आ रही है।”

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को पीठ ने मामले को गंभीरता से लेने को कहा। न्यायालय ने टिप्पणी की, “एसजी साहब, कृपया इस पर ध्यान दें। यह एक गंभीर मामला प्रतीत होता है। भारी मात्रा में लकड़ी के लट्ठे बहते देखे गए हैं, जो पेड़ों की अवैध कटाई को दर्शाते हैं।” मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि वे तुरंत पर्यावरण मंत्रालय के सचिव और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से बात करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा, “हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दी है कि अब प्रकृति उसका जवाब दे रही है।”

अदालत यह सुनवाई एक जर्नालिस्ट याचिका (पीआईएल) पर कर रही थी, जो अनामिका राणा द्वारा दायर की गई थी। याचिका में हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार होने वाली आपदाओं के मद्देनजर रोकथाम और सुधारात्मक उपचारों के लिए निर्देश मांगे गए थे। याचिका में कहा गया है कि केंद्र और राज्य, दोनों के पास आपदा प्रबंधन के लिए समर्पित संस्थाएं हैं, फिर भी वे प्रभावी योजना बनाने और लागू करने में विफल रहे हैं। इसके

परिणामस्वरूप नुकसान की मात्रा और आपदाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

याचिका में विनाश की तीव्रता बढ़ाने वाले कई कारणों की ओर संकेत किया गया – जैसे पहाड़ी सड़कों के लिए निर्धारित नियमावली की अनदेखी, जल स्रोतों पर अतिक्रमण, और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का पालन न किया जाना।

याचिका में यह आरोप लगाया गया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय हिमालयी क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी और नदियों की सुरक्षा करने के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहे हैं।

याचिका में विशेष जांच दल के गठन की मांग की गई है, जो पर्यावरणीय कानूनों और सड़क निर्माण दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की जाँच करें।

इसमें राजमार्ग और सड़क निर्माण परियोजनाओं में हुई गड़बड़ियों और अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई है, तथा स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन करने की बात भी कही है, जो भूस्खलन वाले क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक, भू-तकनीकी, पर्यावरणीय और पारिस्थितिकी संबंधी जांच करें।

याचिका में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापना के लिए उपायों की सिफारिश करने की इच्छा जताई गई है, ताकि नागरिकों के मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 14 और 21) की रक्षा हो सके।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बुढ़ा िनया ने आरोप लगाया कि सरकार के मंत्री हेलिकॉप्टर से दौरे कर रहे हैं, लेकिन किसानों की सुघ नहीं ले रहे। उन्होंने कहा कि गोदामों में पानी भर गया है, कई इलाके जलमय हैं, पर सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की फसलें दो बार बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन गिरदावरी तक के आदेश नहीं दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार के कानों के पदें खुल जाएं, इसलिए वे जोर से बोल रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सदन में आए जरूर, लेकिन कुछ समय बाद बिना कोई घोषणा किए चले गए।

विधानसभा में जब आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने स्थगन प्रस्तावों का जवाब देना शुरू किया, तभी विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस विधायक अशोक चांदना बिना अनुमति के बोलने लगे, जिस पर स्पीकर ने आपत्ति जताई। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। स्पीकर ने बार-बार कांग्रेस विधायकों से शांत रहने की अपील की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि अब तक 2.6 मुतकों के परिवर्जन को 1.04 करोड़ रुपये का मुआवजा बांटा जा चुका है। 22 जिलों में असामान्य, 16 जिलों में अतिरिक्त और 3 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है।

जमानती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजिस्ट्रेट और एडीजे क्रम-6 महानगर द्वितीय की ओर से अदालती आदेश की पालना में अपना स्पष्टीकरण पेश किया, लेकिन अदालत उससे संतुष्ट नहीं हुई। अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारी अपने स्पष्टीकरण में बता रहे हैं कि प्रकरण में गैर जमानती अपराध के तत्व मौजूद थे, लेकिन जमानत खारिज करने के आदेश में इसका कोई उल्लेख नहीं है।

अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों ने मशीनी अंदाज में जमानत प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया। जमानती अपराध में जमानत को अधिकार का विषय माना जाता है, न कि न्यायिक अधिकारी अपने कर्तव्य के निर्वहन में विफल रहे हैं। कुछ हद तक यह कोर्ट की याचिकाकर्ताओं की हिरासत के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि बड़ी संख्या में जमानत याचिकाओं के लंबित होने के कारण वह प्रकरण को प्राथमिकता से नहीं ले सका।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने प्रांटीरौ डीलर को दुष्कर्म के मामले में फंसाते हैं, न कि धमकी देकर उससे तीना लाख रूपय का चेक लेने के आरोप में याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी 16 जून, 2025 से न्यायिक अभिरक्षा में थीं। जमानती अपराध के बावजूद, उन्हें जेल में रखा गया। वहीं हाईकोर्ट ने उन्हें गंद तीस जुलाई को जमानत दी थी।

■ **सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। दूसरी बार की कार्यवाही महज 33 मिनट ही हुई। हंगामे में सरकार ने तीन बिल पास कराये।**

स्पीकर ने कांग्रेस विधायकों को फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार की तरफ से जवाब दिया जा रहा था, लेकिन आपने सुना ही नहीं। वेल में आकर विधायकों ने मिसबिहेव किया, जो बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन उसकी भी मर्यादा होती है।

हंगामे और नारेबाजी के बीच विधानसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12:34 बजे स्थगित की गई, और दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू होने पर, फिर से हंगामे के कारण 33 मिनट बाद स्थगित कर दी गई। अब सदन की अगली बैठक 8 सितंबर को होगी।

राजस्थान की राजनीति में यह घटनाक्रम किसानों की समस्याओं और सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर गहराते राजनीतिक संघर्ष का संकेत है। जहां सरकार दावा कर रही है कि हर पीड़ित को सहायता दी जाएगी, वहीं विपक्ष इसे नकाफी बताते हुए, सड़कों से लेकर सदन तक प्रदर्शन कर रहा है।

एम. आई. रोड पर सड़क धंसने से 2 0 फीट गहरा गड्ढा बना

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर, 4 सितंबर। राजधानी जयपुर में मिर्जा इस्माइल रोड (एम.आई.रोड) पर गर्वमेंट हॉस्टल चौराहे के पास गुरुवार सुबह सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया। गनीमत रही कि उस वक्त घटनास्थल से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी। बताया जा रहा है कि जयपुर में बीते 4 दिनों से हो रही तेज बारिश के कारण सीवरेज लाइन के नजदीक मिट्टी का कटाव हो गया और गुरुवार सुबह करीब सवा 9 बजे यहां पर करीब 20 फीट गहरा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। इस घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दौड़कर मोर्चा संभाला और बैरिकेड्स लगाकर

■ **चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दौड़कर मोर्चा संभाला और बैरिकेड्स लगा कर ट्रैफिक रोका। देखते ही देखते गड्ढा बढ़कर 20 फीट गहरा व 10 फीट चौड़ा हो गया।**

आसपास आवाजाही रोकी। देखते ही देखते गड्ढे ने विशाल रूप ले लिया, सूचना पाकर नगर निगम हैरिटेज की टीम भी मौके पर पहुंची और मिट्टी का कटाव रोकने और गड्ढे भरने के प्रयास में जुट गई। इस हादसे के बाद एम.आई. रोड पर दिनभर भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा, दिनभर यहां से वाहन रंगते हुए आगे बढ़े।

बताया जा रहा है कि राजधानी जयपुर में सीवरेज लाइन में करीब 50-60 वर्ष पुरानी हैं। टेलीकॉम कंपनियों द्वारा अंडरग्राउंड केबल्स डालने तथा

सरकार ... सीजन में पहली बार माही बांध के सभी 1 6 गेट खोले

अगस्त में 4 गेट खोल कर पानी की निकासी की गयी थी, पर कैचमेंट क्षेत्र से पानी की आवक बढ़ती गयी

उदयपुर, 4 सितम्बर (कासं)। विदाई से पहले, मेवाड़-वागड़ के कई भागों में मध्यम से तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के खेरवाड़ा में 81 मिलीमीटर बारिश हुई। कई जलाशयों में पानी की आवक लगातार बनी हुई है।

कैचमेंट में अच्छी बारिश होने और पानी की आवक तेज होने पर गुरुवार को बांसवाड़ा जिले में स्थित माही बांध के सभी 16 गेट खोल दिए गए। इस सीजन में पहली बार माही बांध के सभी 16 गेट खोले गए हैं। अगस्त में इस बांध के 4 गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई थी। उसके बाद आवक बनी रही तो पिछले दिनों और ज्यादा गेट खोले गए। लगातार निकासी के बावजूद, पिछले 24 घंटों में कैचमेंट से पानी की

■ **उदयपुर की आयड़ नदी से पिछोला में आवक बनी हुई है। दोनों गेट तीन फीट खोलने के बाद भी उदय सागर का जलस्तर बढ़ रहा है।**

आवक और तेज होने पर पानी की निकासी के लिए बांध के सभी 16 गेट खोल दिए गए।

जलसंसाधन विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के खेरवाड़ा में 81 मिलीमीटर, ऋषभदेव में 55, नया गांव में 50, वल्लभनगर में 42, सोमकागढ़ में 40, सर्लुंबर में

63, दानपुर बांसवाडा में 65, भदेसर चितौड़ में 48, वागान डेम प्रतापगढ़ में 91 और अरनोद में 58 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मदार नहर से फतहसागर और सीसारमा नदी से पिछोला में आवक जारी है। आयड़ नदी से उदयसागर में आवक बनी हुई है। दोनों गेट तीन-तीन फीट खोल रखे हैं। उसके बावजूद उदयसागर का जलस्तर बढ़ ही रहा है। पिछले 24 घंटों में उदयसागर के जलस्तर में 2 इंच की बढ़ोतरी हुई है। मादड़ी बांध का गेज 34 फीट के मुकाबले 33 हो गया है। टनल का गेट 6 इंच खोलकर पानी पिछोला में डायवर्ट किया जा रहा है। देवास प्रथम बांध का पानी भी टनल से पिछोला डायवर्ट कर रखा है। देवास प्रथम बांध दो फीट ही खाली है।

अजमेर : बोराज तालाब की पाल में रिसाव, स्वास्तिक नगर के 8 0 मकान खाली कराये

अजमेर, 4 सितम्बर (कासं)।

गुरुवार सुबह से हो रही बरसात से शहर की सड़कें दरिया बनी गईं तो वहीं निचली बस्तियों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आगामी दो-तीन दिनों में तेज बारिश की संभावना जताई है। आम का तालाब क्षेत्र की कॉलोनी में बरसात का पानी भरने से लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं। वहीं, बारिश से बोराज तालाब लबालब होने से पाल में आई दरार और रिसाव की आशंका के चलते जिला प्रशासन ने फायसागर रोड स्थित स्वास्तिक नगर कॉलोनी के करीब 80 मकानों को खाली कराया है। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गये हैं। लगातार बारिश से तालाब की पाल पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे पाल कभी भी टूट सकती है। तालाब क्षेत्र के

जिला प्रशासन को आशंका है कि दरार व रिसाव के कारण तालाब की पाल कभी भी टूट सकती है

■ **तालाब क्षेत्र के बोराज गांव, रावत नगर व स्वास्तिक नगर सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। एन. डी. आर. एफ. और सिविल डिफेंस की टीमों भी तैनात कर दी गई हैं।**

बोराज गांव, रावत नगर व स्वास्तिक नगर सबसे अधिक प्रभावित हैं, कई घरों में पानी भरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह से तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक रिमझिम फुहार के रूप में जारी रहा, जिससे मुख्य सड़कों पर पानी भर गया तथा वाहन डालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के अलर्ट को देखते हुए जिला

प्रशासन द्वारा निगरानी रखी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार दो-तीन दिन अजमेर संभाग के कई इलाकों में कहीं-कहीं मध्य से तेज बारिश की संभावना है। मानसून के इस सीजन में अब तक एक हजार एमएमएम बारिश रिकार्ड की जा चुकी है, जिन कॉलोनियों में बरसात का पानी भरा है, वहां, मडपंप लगाकर पानी की निकासी की जा रही है।

शहर में लगातार हो रही बारिश से

कांग्रेस को “ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, 2018 से अब तक 7 साल हो गए। वायदे के मुताबिक म्युनिसिपल वेस्ट से या लकड़ी के बुरादे से एक लीटर एथेनॉल भी नहीं बनाया है। और जो 627 करोड़ लीटर एथनॉल बना है, उसमें से 56 प्रतिशत गन्ने से बना है और बाकी अनाज से बना है। कुल 627 करोड़ लीटर एथनॉल में से एक लीटर भी म्युनिसिपल वेस्ट से नहीं बना। ये शॉकिंग है और बहुत हैरान कर देने वाला आंकड़ा है। जहां तक पर्यावरण के दावे हैं उनकी चौंकाते वाली सच्चाई कुछ और है। एक लीटर एथनॉल बनाने के लिए तीन हजार लीटर पानी की

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर पेपर लीक गैंग के सदस्य विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेवाड़ से एसआई भर्ती परीक्षा-2021 का लिखित परीक्षा का लीक सॉल्वड पेपर का आट लाख रुपए में सोदा किया था। दोनों परियों का लीक सॉल्वड पेपर विनोद कुमार रेवाड़ के जरिए कार्तिकेय शर्मा के मोबाइल पर व्हाट्सएप पर लिया था। लीक सॉल्वड पेपर को पढ़ कर रिकू यादव ने एसआई भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा दी थी। लिखित परीक्षा में हिन्दी विषय में 126.01 और सामान्य ज्ञान विषय में 160.65 अंक, इस प्रकार कुल 286.66 अंक प्राप्त किए थे। लेकिन अंतिम रूप से रिकू यादव का चयन नहीं हुआ। एसओजी ने प्रकरण में अब तक 55

प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सहित कुल 126 आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिव है। संघ के अध्यक्ष रहे महावीर रांका के खिलाफ सहकारिता विभाग में शिकायत दी गई थी और उन्हें पद से हटाया गया था। वहीं, याचिकाकर्ता ने सहकारिता विभाग में प्रार्थना पत्र पेश कर चुनाव कराने की मांग की थी, जिसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संघ की जांच विभाग में लंबित चल रही है। याचिका में कहा गया कि इसके बावजूद, बीकानेर में चुनाव कराने के लिए विजित्त का प्रकाशन कराया गया है।